

॥ १ ॥

॥ २ ॥

॥ ३ ॥

॥ ४ ॥

॥ ५ ॥

॥ ६ ॥



हृदयः स रुना स धनारः य तलायः अर्जिर्बुः यति संमः सति लज्जा सा  
 दयुः जल स्या युः ति उत्रा य मा लीः अर्जि उः सुर्ज विं वु दान विधः मा  
 वा स दान विधः ॥ चं ॥ ७ ॥ स रुना स धनारः ॥ ॥ अं ॥ ७ ॥ स रुना  
 सः उ स धनारः ॥ ॥ वृ ॥ ७ ॥ धन मानारः ॥ ॥ वृ ॥ ७ ॥ सुवाध नयिः  
 क न हः पित व सः वृ द व ता यः ॥ ॥ गु ॥ ७ ॥ स रुवाध लयिः  
 क युः सा दान विधः ॥ ॥ गं ॥ ७ ॥ ग रुना सः उ स धनारः मानारः

॥ ना ॥ ७ ॥ स रु हा निः राज मान धनारः यु तारः ॥ ॥ कं ॥ ७ ॥ क ल ह  
 त म फा वि नंद युः कार्ज हा निः थं न लख सः खा त त यः ॥ ॥ ज्ञा ॥ ७ ॥ य  
 रा यः स तिल स उ सा म द युः जल स्या युः ॥ स र्ज विं ल दान विधः मा लः अ  
 का स दालि युः वृ कः ॥ ॥ वं ॥ ७ ॥ धनः अर्जु नारः व सु नारः ॥ ॥ अं ॥  
 ॥ ना जल यः द स त्याः रि षा क हः स रु र यः क विः ल ख नि षा मि र सा  
 कः रु ना य युः ॥ ॥ वृ ॥ ७ ॥ ति उ क ल ह ल दान विधः ॥ ॥ वृ ॥ ७ ॥



ॐ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ शु ॥ १ ॥ ॐ उमायमालिङ्गः हृदयः शुभः कलहः  
उदयति दानविषमम् ॥ ॥ ग ॥ १ ॥ दसत्यागः पापमालिङ्गः धनहानिः क  
हः यतनापश्युः किञ्चित् विषमः तज्जहि नः गर्जयः गृहसन्नातः यथसंयुज  
मायमालम् ॥ ॥ ना ॥ १ ॥ ॐ उमाकलहः मवपाति पाकमनजनिः यतस  
वसन्त्यापुजः मानहि ॥ मृतं संसमन्ना नसर्विलि ॥ ॥ क ॥ १ ॥ यतः कुति  
जलः स्यापुजः कहलः सलिलज्वासापमदयिङ्गः थानलखसः खानासि वदुः

ल ॥ ॐ ॥ ८ ॥ नापनकपिङ्गः ज्मापिङ्गः साकसंतायः मिहुरपतिलया उदय  
विषम् ॥ ॥ च ॥ ८ ॥ ययवापिङ्गः मिङ्गः जलः स्यापिङ्गः नापमालिङ्गः मृदुलपम्  
पिङ्गः धनहानिः चन्द्रविबुधानविषम् ॥ ॥ ज्य ॥ ८ ॥ नापकपिङ्गः मृदुलपः थजः  
सलिलसहिङ्गः पानशर्माङ्गः कजलः स्यापिङ्गः गुदयातः दानविषम् ॥ ॥ व  
॥ ८ ॥ धनः यतः नारः सलिलससुखदयिङ्गः ॥ ॥ वृ ॥ ८ ॥ धनहानिः ना  
रुपदयिङ्गः मृदुलपसुखदयिङ्गः दगुलिसमतविषम् ॥ ॥ शु ॥



॥ ८ ॥ धनं स न श्री वृधि ॥ ॥ ६ ॥ ८ ॥ द सखागः प उठावा य मालिः धा  
 खनिः मृ तुर यः स तुर पः हासा दान विषा ॥ ॥ ७ ॥ ८ ॥ विवा द इयिः कल ह  
 लः य तत्रा प इ ४ रं क दा वि तः सु खं द पिः सु य न र पः सु द व ता य ज्ञा ॥ ॥ ८ ॥  
 ॥ ८ ॥ स सु या हा ल र यः मृ तुर कः ना ग या ल यः ल मि पाः ल मि पा नि मि स्ति नं क ल हः  
 धन हानिः सि व पुः यं वा मृ त द य कः य ज्ञा ॥ ॥ ९ ॥ ८ ॥ य तत्रा य न क पुः ध हानिः  
 तिल या द दान विषा ॥ ॥ १० ॥ ८ ॥ धनः धर्म हानिः मि र ज ल स्मा युः क ज ल स्मा युः

सा दान विषा

य तत्रा मृ त द यः स दान विषा ॥ ॥ ११ ॥ ८ ॥ स सु य हा ल र यः म व नं ज व वा ल पि र य  
 इ व ल द हः धा तुर कि नः य त स्मा पिः धन हानिः गु या त दान विषा ॥ ॥ १२ ॥ ८ ॥ मि  
 रः ज ल य त स्मा य ज्ञाः धन हानिः ल दान विषाः ना रा य न य ज्ञाः यं मृ त द य कं सि व  
 य ज्ञा ॥ ॥ १३ ॥ ८ ॥ मां न्य द पिः धन य ज्ञाः धर्म ज स नालः ल मि राल ॥ ॥ १४ ॥ ८ ॥  
 धनः धर्म नालः मां न्य नाल द पिः ॥ ॥ १५ ॥ ८ ॥ धन हानिः स रु द पिः धन व स्मा  
 सि यं कः य त ख ल स्मा पिः सा दान विषा माल ॥ ॥ १६ ॥ ८ ॥ धनः धर्म हानिः स दान



॥ इह ख द पि जः घाल ख नि जः य न वा स म् नु खं <sup>ख</sup> द वि प माल ॥ ॥ क ॥ २ ॥ धन ह  
नि कृ ताल त मालि जः सलिल ज्ञाप सा म म द पि जः ॥ ॥ ज्ञा ॥ १० ॥ पा दा का सि धिः  
रु य जः रु स ध नाल द पि जः ॥ ॥ वं ॥ १० ॥ सु खे श पि नः रु सु ताल द यः स सु ना स रु य  
॥ ॥ जं ॥ १० ॥ सा ख सं ता यः ध न हानि श पि रु न न ग ल स्मा य जः ॥ ॥ व ॥ १० ॥ स  
रु ना स ध न मान रु ना ताल द य जः ॥ ॥ व ॥ १० ॥ रुं व हानि क ह ल रु ल स्मा पि जः यि  
त व सु दा न वि प माल ॥ ॥ गु ॥ १० ॥ धन हानिः म रु ख न रु मालि जः स ल दा न वि प

॥ ॥ ग ॥ १० ॥ धन वि द्याः ध र्म ना सः हा क सा दा न वि ॥ ॥ ता ॥ १० ॥ इ ख द यः  
ज्ञाप मालि जः ख रु दा न वि ॥ ॥ क ॥ १० ॥ क ल ह इ ख रु य जः काल त दा न वि य ॥  
॥ ॥ ज्ञा ॥ ११ ॥ मान द यः व रु द य जः रु स ध न व रु ताल द य जः ॥ ॥ वं ॥ ११ ॥ मृ त  
ध न रु सै मान ताल ॥ ॥ जं ॥ ११ ॥ ता रु मान स रु ना स ध न ताल ॥ ॥ व ॥ ११ ॥  
मृ त ध न वि द्या ताल रु व रु ताल ॥ ॥ व ॥ ११ ॥ धनः ध र्मः य रु ताल व रु ताल  
॥ ॥ गु ॥ ११ ॥ मानः ध न ताल रु ना स ॥ ॥ ग ॥ ११ ॥ ता रु ध न म रु ग्मान तालः



सकुनास॥ ॥त्रा॥११॥मृजसगुवर्धुनारसकुनास॥ ॥क॥११॥लमि  
धनःवस्तुनारःगुवर्धुनार॥ ॥ज्या॥१२॥त्राजलयःसकुलयःकलहलःधनहा  
निःशय॥ ॥वं॥१२॥मृजलयःधनलयःसकुःउतिना॥ ॥ज्यं॥१२॥  
घालःककिअयःसकुधनःमृजलय॥ ॥वृ॥१३॥सकुनासःधनवस्तुःगुवर्धु  
नार॥ ॥वृ॥१३॥त्रायकयःत्राजलदयःसकुलयःकलहलयितवस्तुदान  
विय॥ ॥गु॥१३॥यत्रनजायलयिजःधनारःगकुनास॥ ॥ग॥१३॥

कहलःत्राजलयःमिस्त्रायःसादानविय॥ ॥त्रा॥१३॥सकुलयःत्राजलयःध  
नहानिःखर्कुजःदानविय॥ ॥क॥१३॥नागलयःकपावयःनिमिस्त्रीनकलह  
लःधनहानिःखजुदानविय॥ ॥उतिनालदसानागहसासमायत॥ ॥







किंलाथंयायमालः सकयकायमालः षष्ठिसयउरकटेदुदुवाल १ गगधातुपिरुनं  
स धातुस्राकः अति सालः अलः ल मल सकुंयाददय अयिलु व सुक स इविडा अ इः ग  
यदानवियमालः थतनंसांतिः शुलं ४॥ स सुनेरुवीति ४॥ ॥

१ गजयाः दसायवदा

हं नमो गी मारु कार्य ४॥ शुक्रनशायनं लागः दिन १० मा क्रनशाका लालः वि स सनः य दं अ अ  
गगः माल स्राकः थनकानशायः अल दय अः सु सर्वं तन द मः लागि क्र २ दः अ क्रि ४॥ गज  
या द व ताः व नः न मः व नः सु माहाकालः र त य तीये अ उल अग मः अ द य अ नः व  
१०ः ११ः १३ः ववानः व व नः १४ः नाग दः द क्रि न क्र ३ ध रं पि न्य क्र १ ना  
गया तः कः यः अ यं कुं नंगः य ता वः अ अ व ल १ सु व त व या अः व या र त ठ यः क मा लिय त ल  
अः क ता म ना गया त य उः २ द द कः याल १ द गु लिय त य व य हाल य अः शु क्र या म त द्या तः



काङ्कः जगमसः प्राहाकानः लिमस नः विथि सः थुत्त सक यज्ञः नागि यामलिङ्गदिनः १ थुत्त रूपाः  
गुल १॥ स्वस्माल वीति १॥ ॥

१ ध्वं जयाः राजसर्व

१० नमो माग्नी मातृ कार्य १॥ सक वा नन जायत तलाग १॥ विथ सल ज्ञाः क ५ जल मलिङ्ग ज्ञा  
प्राग १॥ ध्वं जया द वतः मान विः सं हल र्त्र वः यं व वु जया लः विय कः ग्रहः नाहः क तु ध्वं जया  
ववानः २ ॥ वनाः ११ः ११ः १३ः १३ः १३ः नदि साः कूलि क नाग दः वन यि न द्रु ३ दः नागः  
ववानथ यथा काथा क काया दः धन दः लाग धा दुरा य त स्मा कः वृष ल यः ज्ञ य बाल र यः जि  
ॐ सं वयः बाल शयं द्रुः प्रां न ज द र्थी हालि ज्ञाः सातिः वलि या त १ सर्व त काय मालः व स त यः व  
लिया तः १ क कः १ ॥ सान स त यः नाथ ग्न य ज्ञाः यं य हा नः य ज्ञाः वृष ज्ञाः धलि वा मालः लि



मस्मिन् यज्ञाः लज्जवती यज्ञाः प्रागिया महिददिनः ६ समस्मानसः वातालाज नः र्थमात्रा धा क्रया  
कया सल नविलसाः दवया वस्तु क सयुद्धं अजाध्याः धृतैर्गुलः स्वस्मानल वति ४॥  
१ मध्यायाः ७२ य ४॥ ॥ उँ न मा गी मास्तु कार्य ४॥ नञ चक्रया न रुधर्तियः प्रागधा रुजकास  
प्रागः थान सत्राय अगस्त सयिदार्थं अयुजः प्रादं द्विदि ३ हिलि अः उ न्हं न हलि अः गल स  
हिलि ३ मिनि अः ह्याय अः मिखा तउम क कनि अः का द्वाखाय अः खकिर्धुं आ द्वाय अः क रुय  
अः अति साल रुय अः धृत साल ४॥ द अया दाखन धाय मद् अः कथ क्वाल सा कयल अ  
निः थुति नञ चक्रया रुलसिः य ७ ति अस्तु वर्य समाक गुले

१ उँ न मा क् प्रागय ३॥ द्वि १ ल १ द १ मा उँ कांडान अ  
नि अः थुयायाः द्वायाः आनिः आलनं यय अः क रुयः श  
यः अति साल रुय अः मिखा स्याय अः वा द्वा सयि सारि  
लपन र्थायः धुपा सानि विधिः अमप पा ३ सखिन  
यिल पाता सन अय रि सि यि ता थि ता पावन गृह न  
थय खाल पा ३ रु सग त य पा ३ त्रि का स तय य र्क य त



यथकाजः कागायताय यन  
यथकाजः कागायताय यकाः कायकः ताय वर्क सुद्र ताः आयमालः प्रलुथः नं भारग  
वल्गनाजनाय यदि दृकाः हन २ यन वकाः ददि लीनमः मालीकां प्रयाय साहाभा  
दिगय पूर्वः सुस्मान रुवतिश

यसायनाः काः कसिः कायधुः पयिः काः बालमाहा  
द वयाक कायग्रमानः कसखायानियः धलथुतिधु  
द वयाक कायग्रमानः कसखायानियः धलथुतिधु  
द वयाक कायग्रमानः कसखायानियः धलथुतिधु

ॐ निद्र निद्रा २ शुद्धानामर्ग नं आजा धयौ गद्याथ  
स्याम् आलन यउ (थं २ सा सदयः दृद मता निजः अ  
उथी तूरुयः वा नलन यन रवायः सानि जा फः अ  
या ३ यत नंग हन यथ यः खाल या २ कस सया श्लिका  
थि सका यः खिन जा दा कनाः दानाः सातः धः धुयः सादः  
सासः विधुलिः भगिया वस्तः ललाः धुतिधु यथ दाजाः का



गाय तायः यदाजः कायकः लागिया व सु हा हा या दा अ कायः मं नुः ॐ न भाल ग व ल्य ४  
ना ज ना यः ॐ ना क दि घ ह स्ता यः ह न र मा त यः स्वा हा ॥ थु मं तु नः जा कि ज य न यः वि  
यः व कि ना गिका लाय कः व कि शु ह न य स त या का यः ॥ वा द्मि लि सः दि गः द क्रि न सः रु अ  
ना य ॥ स्व स्तान ल व ति ॥

स्व द्म श्म ना ३ स्व द ३ य त ना ना म ग ह न जा दा अ ॥ थु या  
नाः क तू यः स्व यः जाल न य यः ना हा तः कृ ति श क्रि यः वा  
प्र न य न स्ता यः थु या सा ति वि धिः ज्ञा म् न य ३ स्व ति  
यि त थि ताः या वा नं ग ह न य थ यः खाल या २ रु स ग ति  
का सः त य पं व य ता य य २ थि स का य लाः दाः रि न  
जाः यि यि लि म धि थू ति स का यः थु यः नि यः कृ ग हा ध



नध्वयदाज्ञः कागप्रतायः यदाजः गहनयकाः वर्तुकादुःवा नखयावस्तुहाहाः या  
दाअकायः ॥ मंक्रुः नभारगवत्यः चंद्रहासायः जात्रिहसायः त्रिगुननहनरद  
स्तुसत्त्वनिःकृतयश्यदनामहेयैहनरहाहा ॥ वाक्किलियकिं ॥ (ॐ) ॥

५  
१ यद्रुध्विनाः विद ५ मूखमंक्रु कानामः गहनं जानिजः  
थयात्रगः क्रतुयूखायः जालनं प्रयुजः याथस्मायजना  
हातकृतिश्चक्रियुजगंदमासादयजः मिखायजः थ  
यासाति, वसियाः पीताथितायासाकायाजः गहनय  
थयखालयाश्चससः पाश्चलिकासः तयथियससकाय  
मातः मासः विनजानाः काः थः मधिः ध्वयः विवलिः मन्



कृयासि वयाक कायस्वानः येनेका ध्यासः ध्यासः ध्यासः ध्यासः ध्यासः ध्यासः ध्यासः ध्यासः  
यदा ठीः न्य फायकः वर्तन कः संक्रु धुर्न नभार ग व ल्य वृष व धु जायः यिसा बायि ग न  
कागायः मयं नेर नर्ग ग न्यायां न तु स न क नाय वा न कः मय मं धी काः स मय २ मं के  
२ क मा न कः स्वा हा ॥ दि ग उ र्क ॥ (ॐ) ॥

१ का दू ज द्या ज द्या द ज वि दाल न मा म ग ह जानि ज ध्या  
ना ग जालः सा स दयः क तु यून सा म न यि ज क क  
अयः वि दाल न ख्यायि ध्या सा तिः गा न या वा का या ज  
न प दय क स्वा न वा श्लिका स या ३ रु स ज ये ते थि स  
का य ना दाः मधिः स तः द द का य धू य क स्वा वा सा स ति  
विष्मलिः यु का नि य ध ल थ ति धू य थ दा ज रु गा य त







अः ग्रह लकायकः वर्कः कर्मनुर् नमः रग व ल्य सकुनिगहाय पात विहाल वन कमा  
हन २ ददिगु नमः स्वाहा ॥ दिगु र्त्न वस्त्रा म्मानर वति ॥ ॥

१ क्रसकृ ॥ क्रसमा ॥ क्रसद ॥ शुक्र ज्ञानाग्रह न  
आनिजः युया नागः क्रमनिजः नसा मनयुः सलं नय  
सन करवा यिजः क्रद मदयिजः सातिजा फज पा ३  
गाल या वा का या जः ग्रह नृ पथ यज्ञा नयो ३ रु से  
जा पा श्लिका सथि सकायः स्त्री नजाः थलिः नाः दाः म्वा



तहा मत्र मयि विषलि नियो ग्या वचं न सिद्धाय थिति धू यथ दाशः काग प्रता यः यदा अ  
ग्रह ल पः कायक वर्क वकं मंकः न मारुग वर्य वृखरुषा जायदाग विवलित ह सद्यना  
न नदिथ नः पिसा व न य कृत्वा तत्र सन क शति ति न कं ६७ लिलि र वति न त्या मि मं ३२  
वा न कं माहा ॥ दिग द कि न ह सान ल वी ति ॥ • ॥ पित कं ६७ कृ ॥ x

रचा द्वा ८ चारा ८ चा द ८ जं मूकाना मग्रहनं जानि अ  
थु या भा गः कृ ती २ वि यू भिरा स्या यू थु या ति (आ म्  
जवा ३४ सियि ता थि ता या वा न ग्रह ल प थ य क ३ का ग प्र  
ता य षाल पा ६ रु स गः लि का स थि यो स का य ना दा ध  
लि वा कृ सि सा धू प निय वाल न व न नाल स या स सि ह्ना  
य थ ति धू य थ नः का ग प्र ता य य दा अ ग्रह ल प का य क



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय प्रणम्य नमो देवता समूहिनः सर्वैकानां स्वा  
हा ॥ दिग्वर्षस्त्वस्मान्नरवन्ति ॥

रगद्वेगूरा रेगूद रेजुल ऊनामग्रहनं जानिऊः ना  
गलनययजहि कुजयिऊः पांडुनागः थपासातिवात  
नं कलथपाजः बात्रया ७ रुस सः लिका सः थियि सः क  
यः नाः काः सि साः धलिः धूयः गगलिः धलः थति धूयथकाज  
रुगाप्रतायः यकाजगुहसूय रुयकः वर्कतायः जः मंनु  
१५ नभारुगवत्सः मूषण्णार्तः नाकविदायः नकनायः



आकाशगडजं मृगय २ मद्य २ रुन २ र्श २ कृताय साहा ॥ दिगदक्षिणसुस्मनरु वीति ४ ॥

रजिद्र १० जिना १० जिद १० प्रवतिना मग्रहन आनि ४ ध्रुवा  
भागः स्वासः कासलालहायुजमिरामकं नि ४ ध्रुवा साति  
। षसि यिताथितायासानग्रहलवथयः बालया ८ रुसस  
लिकासः थियि कयखिलजाः नाः काः ध्रुवः तनाकः ध्रुवः  
विष्णुलिः सादः ललाः ध्रुवितियथकाग्रहलवः कायक  
वर्द्धतायुर्मकः ८ नमालगवतनाजनायः वृषमृगः



है फ ड ह न २ व क्र न २ ह २ क मा मा य स्वा स ॥ दि ग व र्व स्व स न ल व ति ॥ ॥

१ जि म क ड ॥ जि म क ड ॥ जि म क ड ॥ य लि क काना  
म ग रु न अ नि षा थ या भा ग अ ल न प र्मा जि वा थ स व था  
ना क स न खा य ॥ इ ड क य न सा म न य ज ना क य थ या म  
ऊ क क त थ या सा ति जि म ज्वा ३ जान क न थ स वा  
ल वा ३ क स स लि क स ३ थि य स का य क ग प्र त य हा  
द क त य व न त न थ न वा ल अ न थ न थि स का य म ग ना







तैः तैयथदाजः कागा प्रतययदाजः गृहत्रय कायकः वर्कः स्याद् मंक्रुः नमो  
 सर्वगृहसौतिकनायः मंवरकृमात्राय स्वाहा॥ दिग्यर्ववानगृहया प्रजायाका  
 मंवरजायाय मालम् मसिमानः सप्रवदयकं हत्तमं न यजामा यमनशुः धृत

॥ ४॥ ॥



विहसमुद्रकपनिहृतमवमष विनीनूतनाक निगवाद विवादितां ॥  
 जासपतिनादभावनतादलनवरुतर्णीनजानाषूनषनंरुता ॥ १ ॥  
 नेजहनामजिनाधकषाधवककृथनिहं धिधषाधिनिजिदनिक्  
 शाडानकनात्रमिसमाधकसकनधुमपत्रेडलिकप्रहासमयज्ञामकपा  
 र्गनेमयजयंति कांरुमरुविडाकं मुनिगानक विरूपेनकायकर्मरीयीकं  
 हत्तपाधसिः अहगवन्मय प्रजनयमुक्तडाकं हत्त ॥ ४॥ ॥

॥ ४॥

धिधषाधिनिजिदनिक्  
 र्गनेमयजयंति कांरुमरुविडाकं मुनिगानक विरूपेनकायकर्मरीयीकं



[illegible]



काऊनासत्यदधनहाशयः थजकृतालताजप्रदजनमालिजाः विद्यति शयुज  
 यवननकिजः अगिशयुजः ॥ थति वृहस्पतिमलिनः फलः ॥ सातिद्यगुलिय  
 ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

तनर्कशागविधानुविधिनुकृत् ॥ कलहशयः वसुधनहानिः वधिहानिशयः मवनंदविवि  
 संयः ववनग्रासशयः मिरास्मायः थतिगुकलमलिंगुफलः ॥ ११ ॥ १० ॥ ३ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥



संकर्ष्यात् निसां साजनवंधुविजागदं सर्वं कर्ष्यात् ॥ कुटुंबधननासमहादखशयः लिमस  
नक्तं यजाः धृतिः सनिचनमरुफल ॥ ॥ ११ ॥ १० ॥ ३ ॥ ४ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥  
तिपयस्युत्तमार्त्तः ४ गुरुवर्गमिदं सुददातिनाहं ज्ञात्वा विविक्तकृतिः कुवधनधननालः  
स्मृतनिविधिः कुरुमथ धनप्रविधिः ॥ धनर्थां नालदयः रमिनालदयः वसुनालदयः  
नविधिनानावसुवाधनयिजः धृतिनाहं लिङ्गफल ॥ ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥  
४ ॥ १२ ॥ सकादिदं धनं जगत्सर्वं सुखादगात्तावन्नलं वलं जगत्सर्वं यथा कर्ष्यात् ॥

प्राग्भननियविधिः साजर्द्धनासगमनं प्राग्भनकर्ष्यात् ॥ ॥ सत्तुनविधियाय धनरुयजय  
वासजत्रमृत्तुखं धृतिनाहं मलिङ्गफल ॥ ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥  
नानां भक्तदसावः विजयार्थं जसा सनिर्नानुत्तमं वसुधनकावनः यथा लं कर्ष्यात् साजन  
वांश्च वसुयजाग ॥ ॥ वसुनालदयः जहाः जहादिननादयः जहाः जहादिननादयः जहाः जहादिननादयः  
प्रितिशयजधृतिः कर्तुलिङ्गफल ॥ ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥  
जगत्तुनजयं धृतिः सत्तुनाहं सकाष्टमः दादगादगमं वक्तव्यं विधायिदाप्रविधिः



प्रिसंतायमप्राकष्टं नष्टमतिवमाननानिलः यंक्योत् ॥ ॥ प्रागिरुयुजान्नकयुजः  
सकृत्लिद्वविमिअज्जनासिरुयुजान्नष्टमतिरुयुजः मृत्पादयुजः युतिकं तु मलिंगरुस  
सीतियायल्लयनवयुजाचित्तरुयुजः ॥ ॥ इति बालदसामासमाय ॥ ॥

उत्तमोलोकनाथाय ॥ ॥ आपसि चरनमस्कारं समस्तलोकयोगे अनेधप्रदाने वीर ॥ ॥  
लपोल गद्योतनधालंभापुशामासेरुद्र पाचरुमाधे मनीषा ध्यातुं जलस्वाध्यासुनये  
अतोम्यभायमानजायाधुचोतनुमाध्यासमस्तभाव



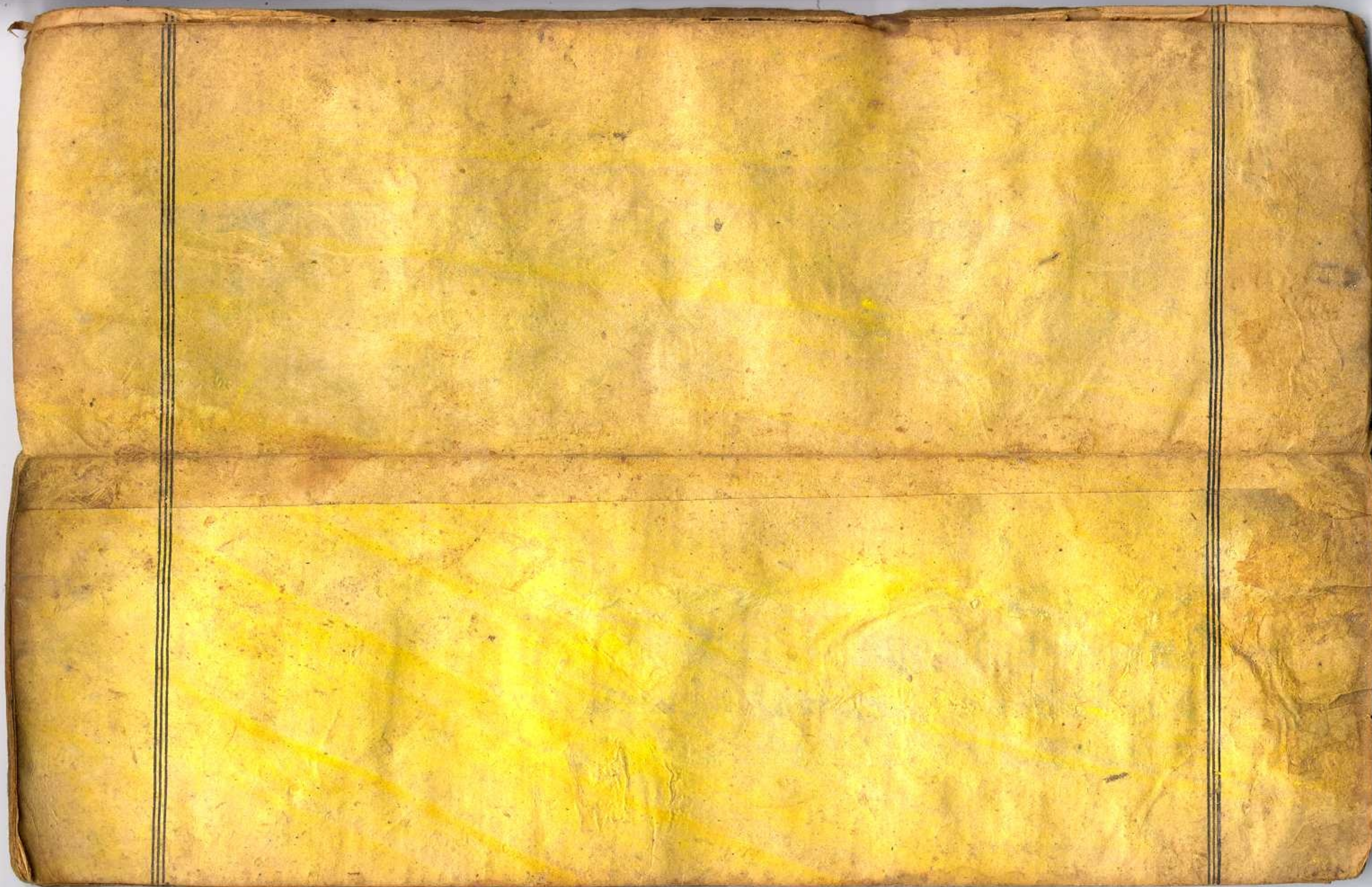
ॐ नमः श्रीचक्षुमहाचार्यधाम्य ॐ श्रीः ह्रीं श्रीमदङ्गसङ्गचक्रवर्तकमलायसम्यक्कज्ञानावरा  
सनकजायन्तमाहुं नमस्तु ३ नमानम रक्काह्वानमस्यामि श्रीगुच नाथप्रीदम मज्जयन्तङ्गसङ्ग  
चक्षुमिदमाह्वकाचार्यधाम्यविश्वस्वैयकसमुदीपोतं कृत्वाचक्षुसमाधिमाधपूज्यं श्रीव  
हसत्वस्वयं स्वयंसङ्गसुखसाधनायङ्गिर्व्यकृपरागिच्छति आदोगावसंगीसम्यक्पात्रमिगात्र  
सिक्कितावङ्गसङ्गमाचार्यधाम्यधुलंप्रतिस्थापयिष्याद्यादिधिकः विनाधमन्त्रधुलाश्रीचक्षुम  
हाचार्यधाम्यवङ्गगुकासमनाकुलदक्षसर्वायद्रवर्जिते जासन्कल्ययङ्गयधलध्वंसुस  
माहितं अकाचक्षुधाम्यगुहाचार्यधाम्यध्यायका प्रह्लापायैकयागधलकाचक्षुस्वलक्ष्

धातु गनेवाचलमाख्यातं सर्ववृद्धससविगं तसर्थं गटिगिभूयताप्रवक्ष्याताचक्षुस्वलक्ष्काचक्षु  
सर्वैक्य्यातु ॐ चक्षुमहाचार्यधाम्यमजङ्ग ॐ स्फुटं २ महाकोवहं स्फुटि २ स्फुटय २ ह्रीं स्फुट  
ह्रीं स्फुट भिचसि संधाय आत्मचक्रा गदलकचक्षुधने दक्षिणहस्त आकाचक्षुसुर्यमधुले ॐ वृ  
ह्रीं स्फुट वामहस्त आकाचक्षुचन्द्रमधुल लोमापागाव संपुटं ह्रीं लिङ्गवावङ्गपद्महस्त ह्रीं ॐ  
श्रीं स्फुट वामहस्त आकाचक्षुचन्द्रमधुल लोमापागाव संपुटं ह्रीं लिङ्गवावङ्गपद्महस्त ह्रीं ॐ  
चक्षुमहाचार्यधाम्यह्रीं स्फुट मंगवाधिसान पुष्पादियं चक्षुपहाचपुत्रा धिसान ॐ वङ्गगधस्वाहा ॐ  
चक्षु ॐ वङ्गपुष्पस्वाहा पुष्प ॐ वङ्गधूपस्वा धूप ॐ वङ्गदियस्वाहा दिय ॐ वङ्गनेवधस्वाहा नेव  
ध ॐ वङ्गलाजायस्वाहा लाजाकुल गातु वलि अधिसान ॐ अकाचाम्स्वसर्वधर्माणां माध



उत्पन्नत्वात्॥ ॐ अ० ह० ॥ मधुना धियश्नात् ॥ ॐ ह० ह० ह० ह० ॥ अ० ह० स्वस्वाहा ॥ पाण्डुधन ॥ अ० न० पि  
वाधुयतां वावयत् ॥ ॐ अ० ह० मधुना धियश्नात् ॥ त्रिका ॥ अ० प० न० ग० न० मा० का० न० ध० मा० म० कि० कृ० वृ० दि० ग०  
न० व० रु० मा० रु० का० न० ध० य० कृ० वृ० दि० ग० न० व० रु० मा० रु० त० या० स० पु० ट० या० ग० न० म० हा० च० रा० म० द० वि० रा० ग० रा० व० य० त० ॥ पु  
न० य० पि० ॥ ॐ ह० ह० ह० ह० ॥ अ० ह० स्वस्वाहा ॥ ॐ सर्व० रु० का० मि० नी० स० व० रु० ध० ध० नी० गु० व० डी० नि० का० ध्य०  
जी० सर्व० द० व० य० पि० नी० ध० य० र० ॥ रु० ह० का० न० रु० न० व० र्धू० हा० का० न० र्ग० ध० ना० ध० ना० ॥ ह्रीं ॥ का० न० वि० र्धू० ना० च  
अ० मृ० ता० का० न० च० स० च० स० व० य० त० ॥ ॐ अ० मृ० त० अ० मृ० त० प्र० व० ध० य० त० ॥ पू० गि० म० नु० ह० ध० ना० ॥ ॐ व० ज० र० म० रु० स०  
स० सर्व० त० या० ग० ता० धि० ति० र्ना० स्वा० हा० ॥ ॐ अ० ह० ॥ त्रिका० या० धि० र्ना० ॥ ॐ स्था० न० म० न० रु० ॥









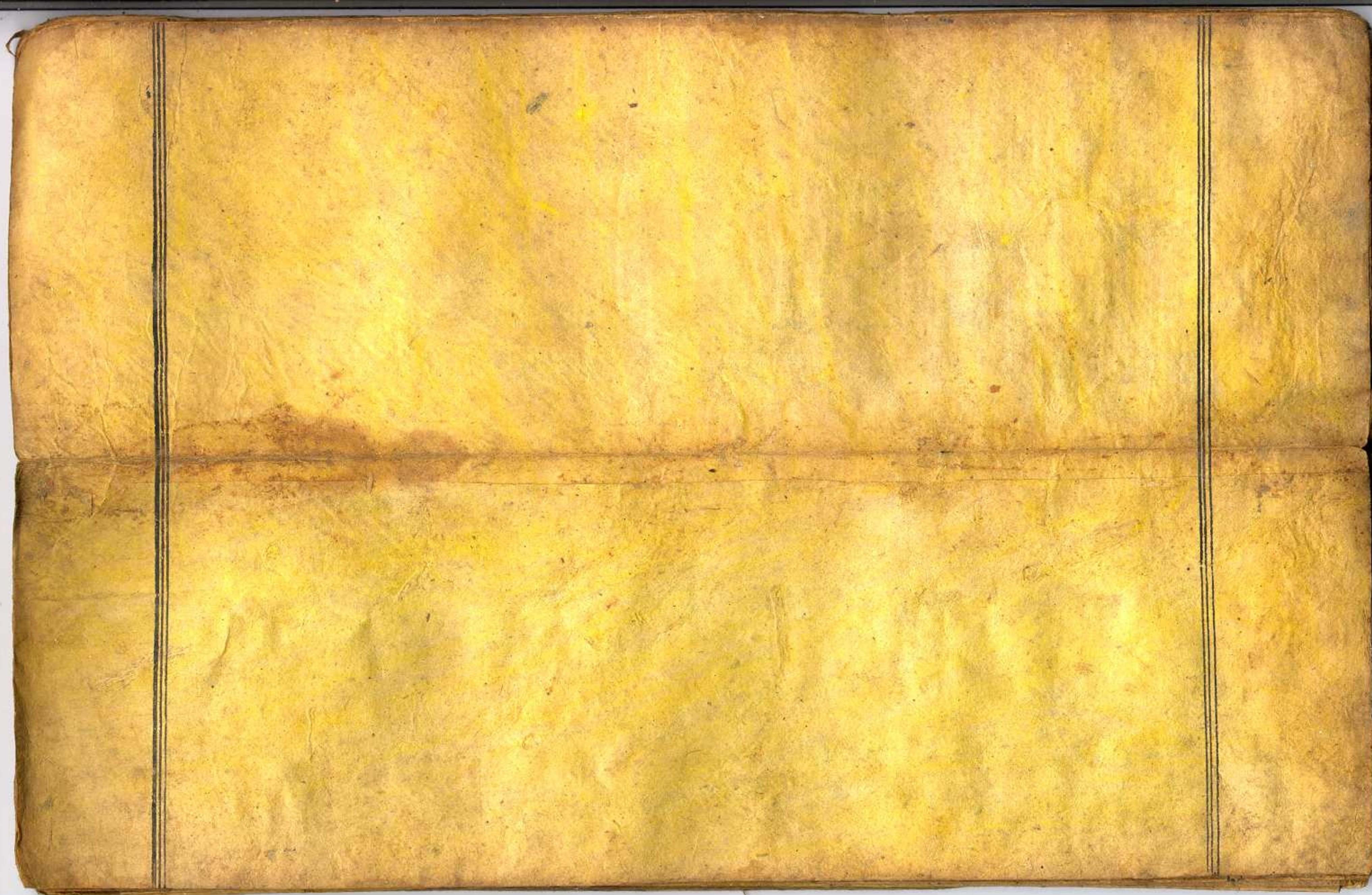








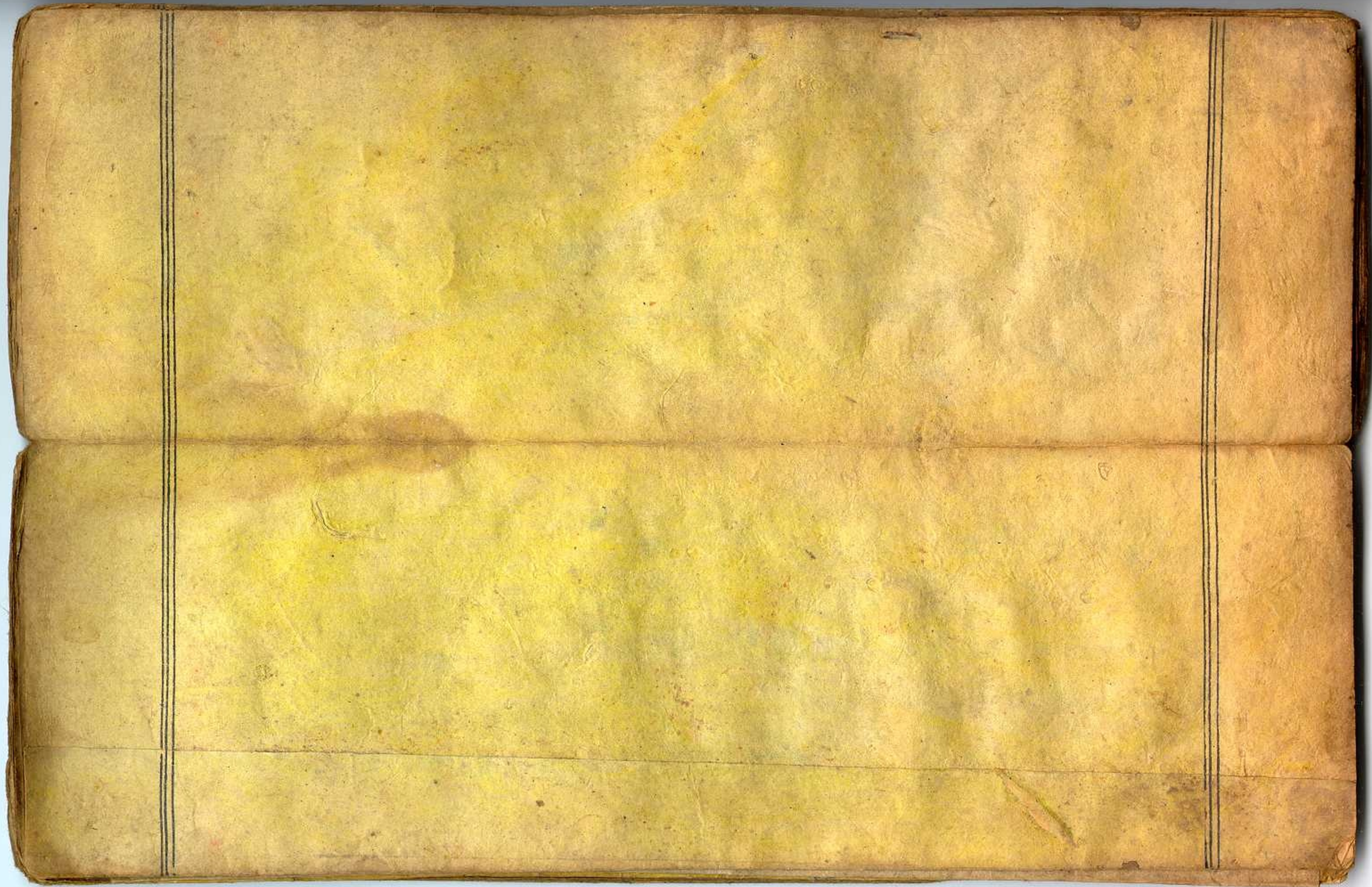




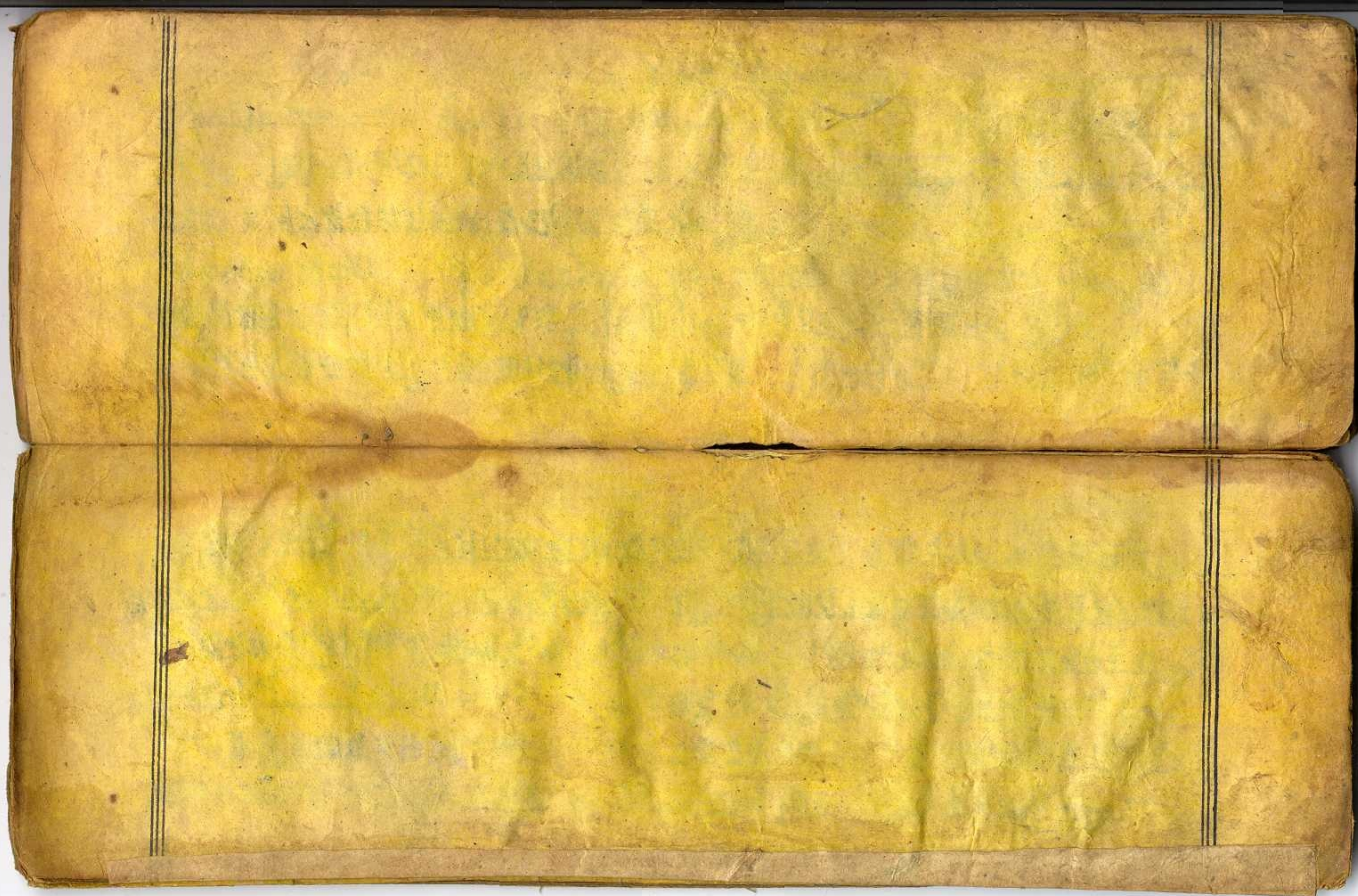








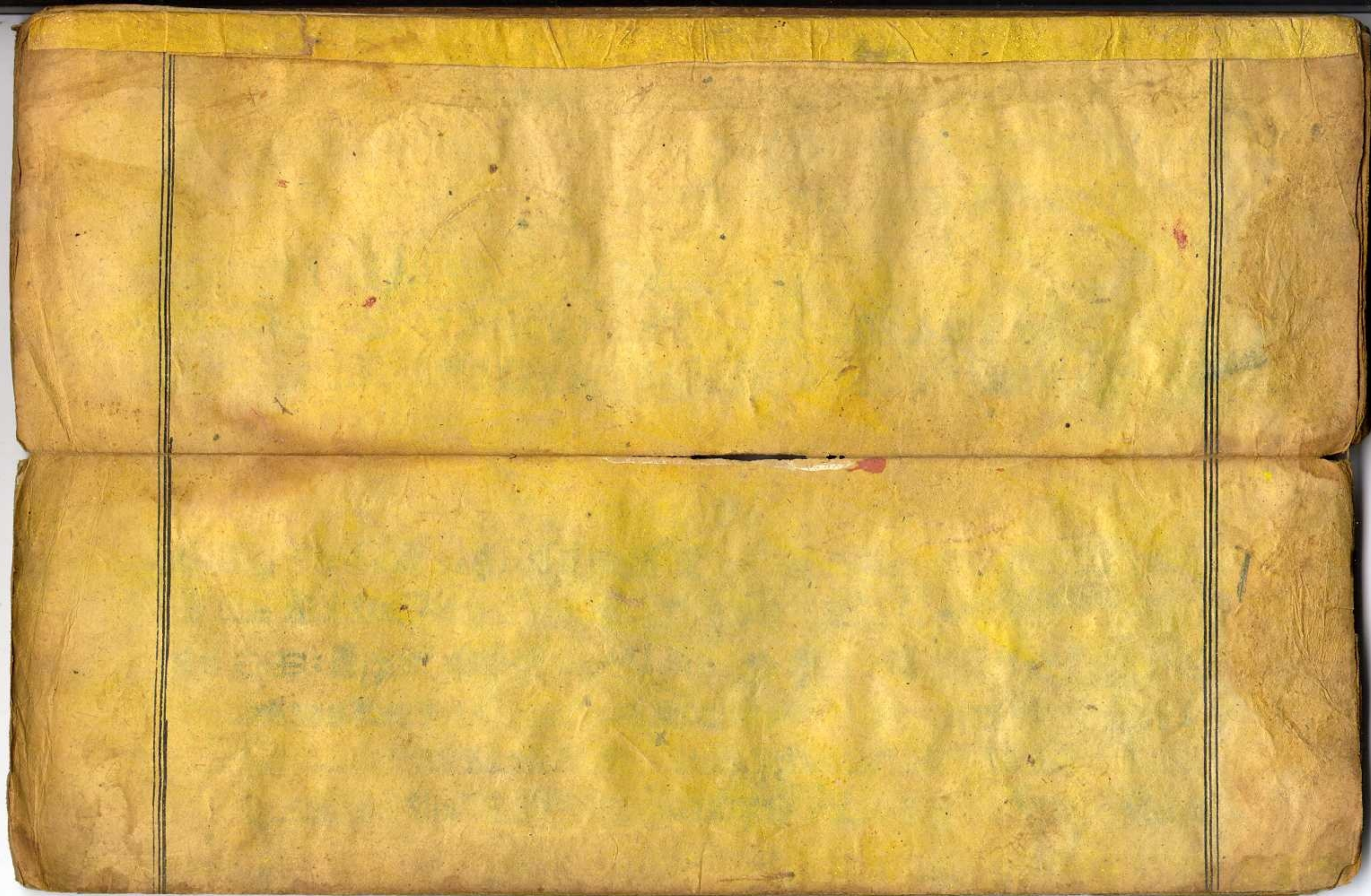




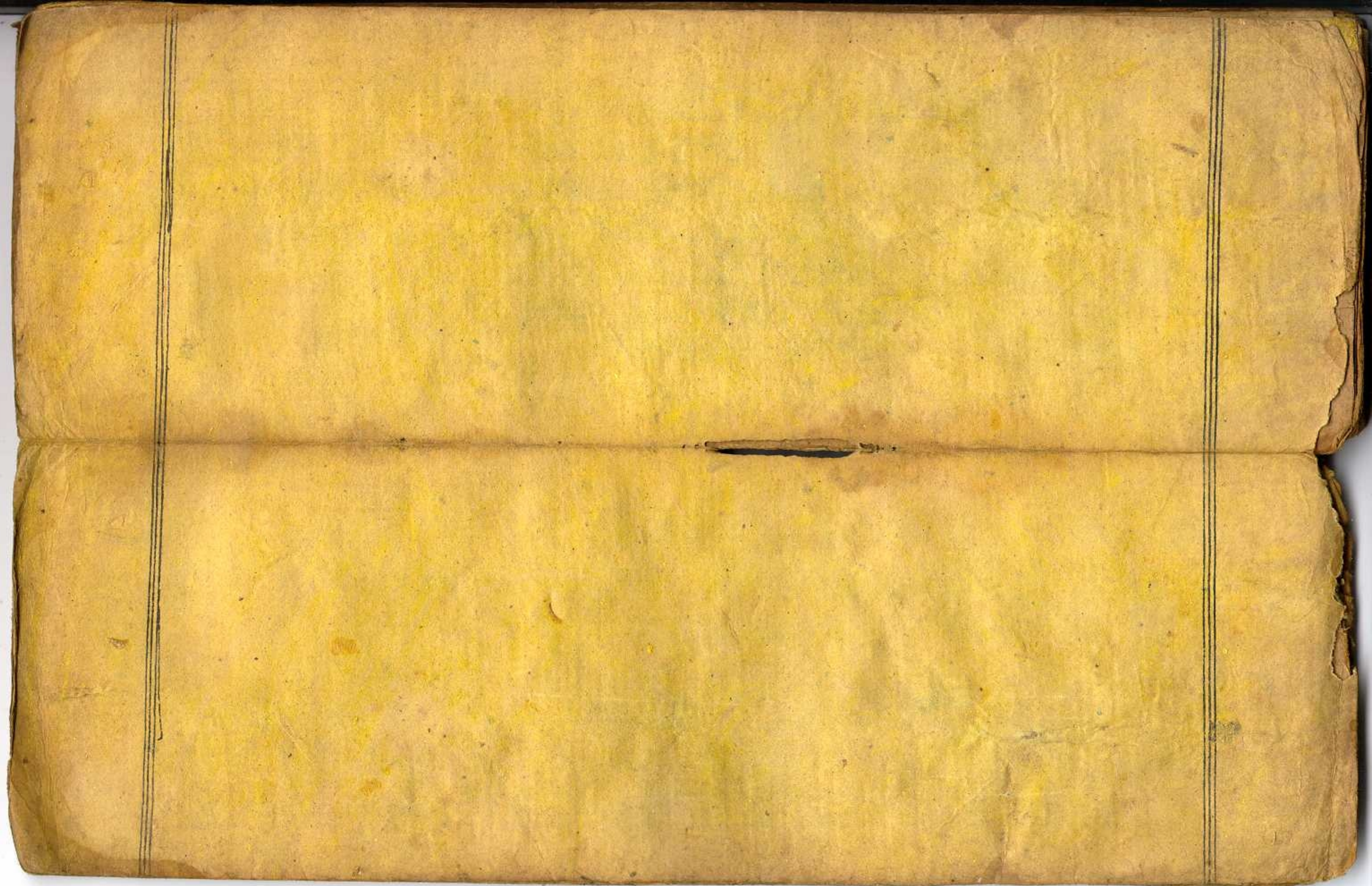




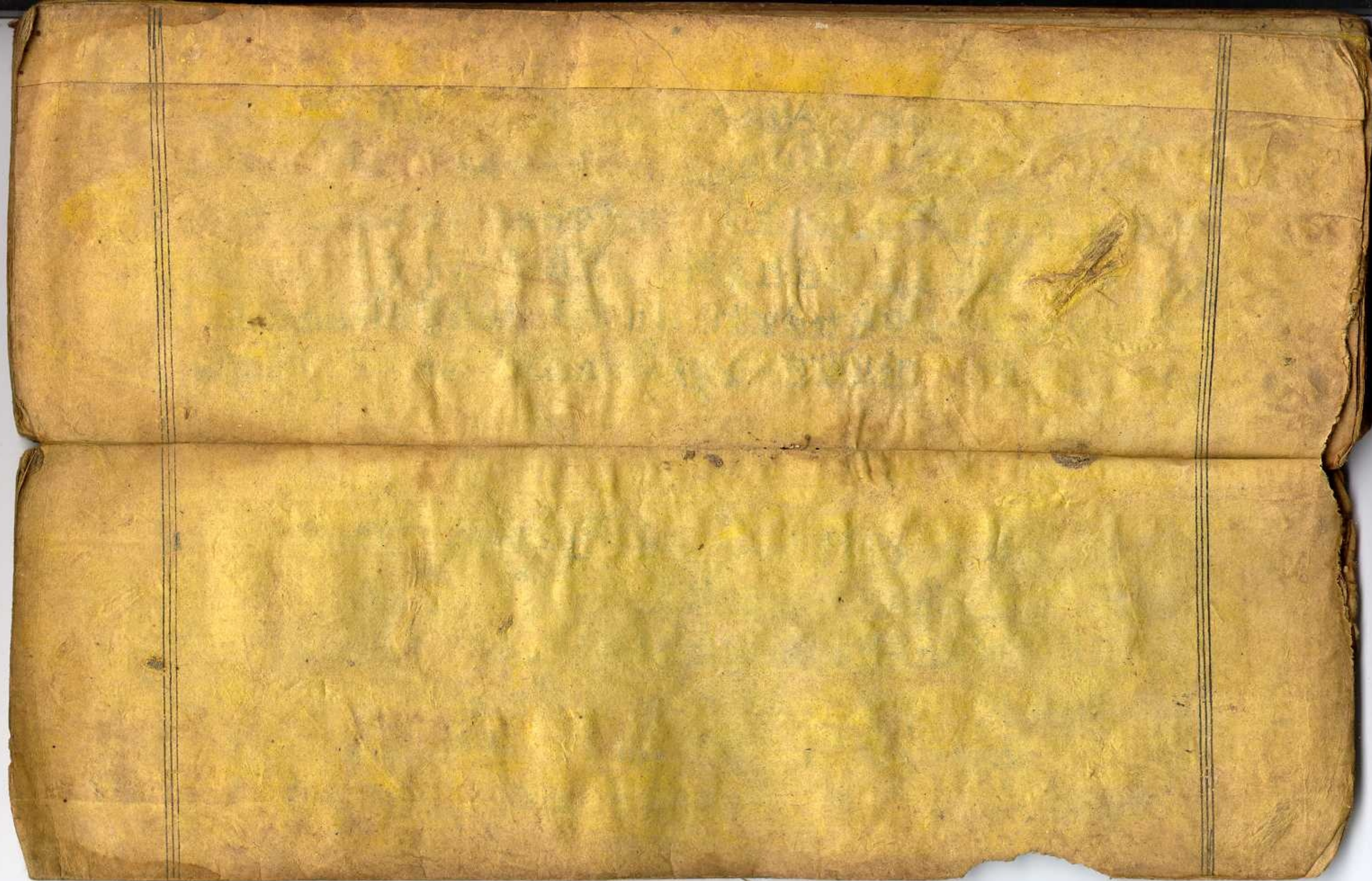




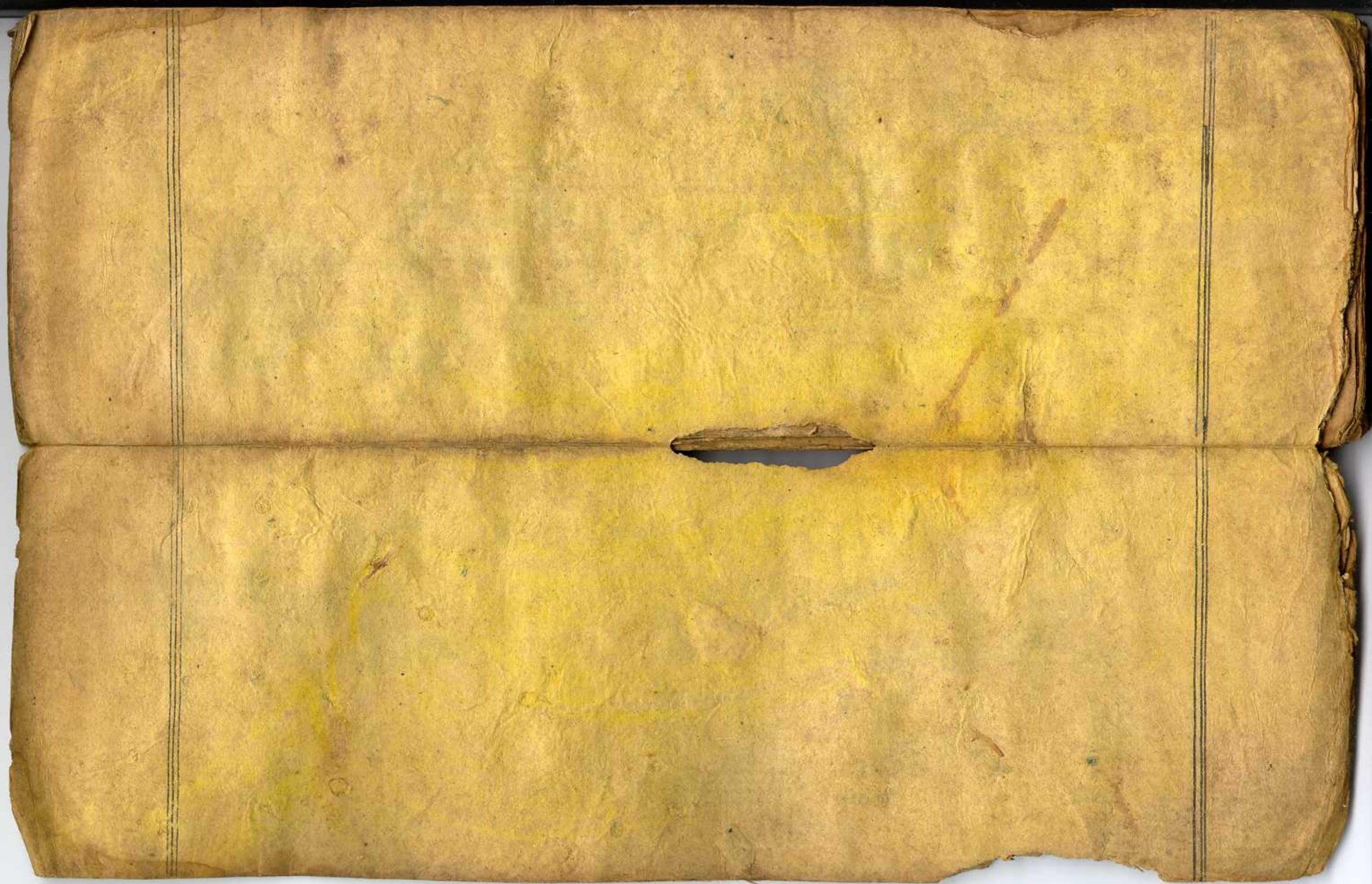




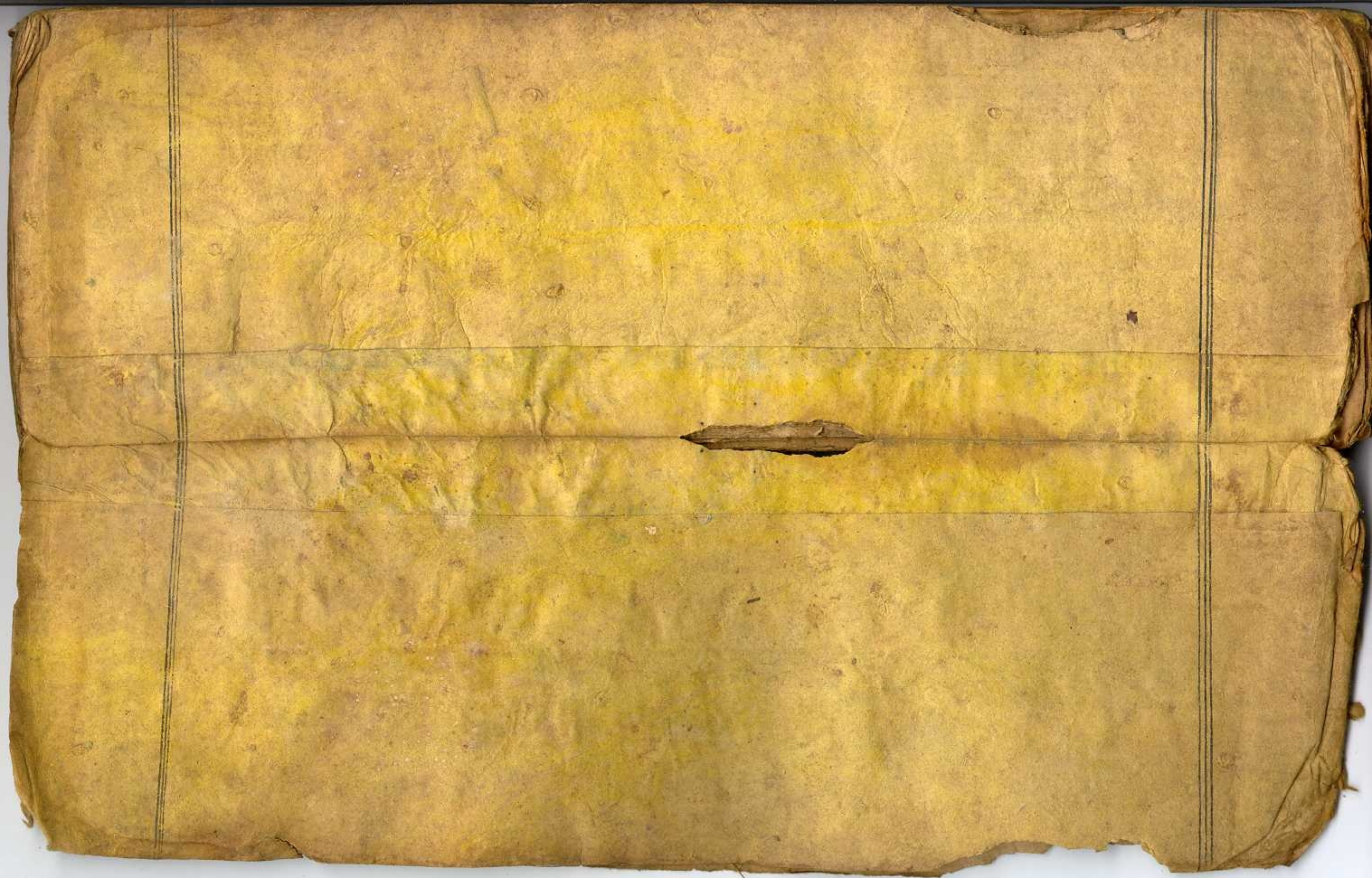




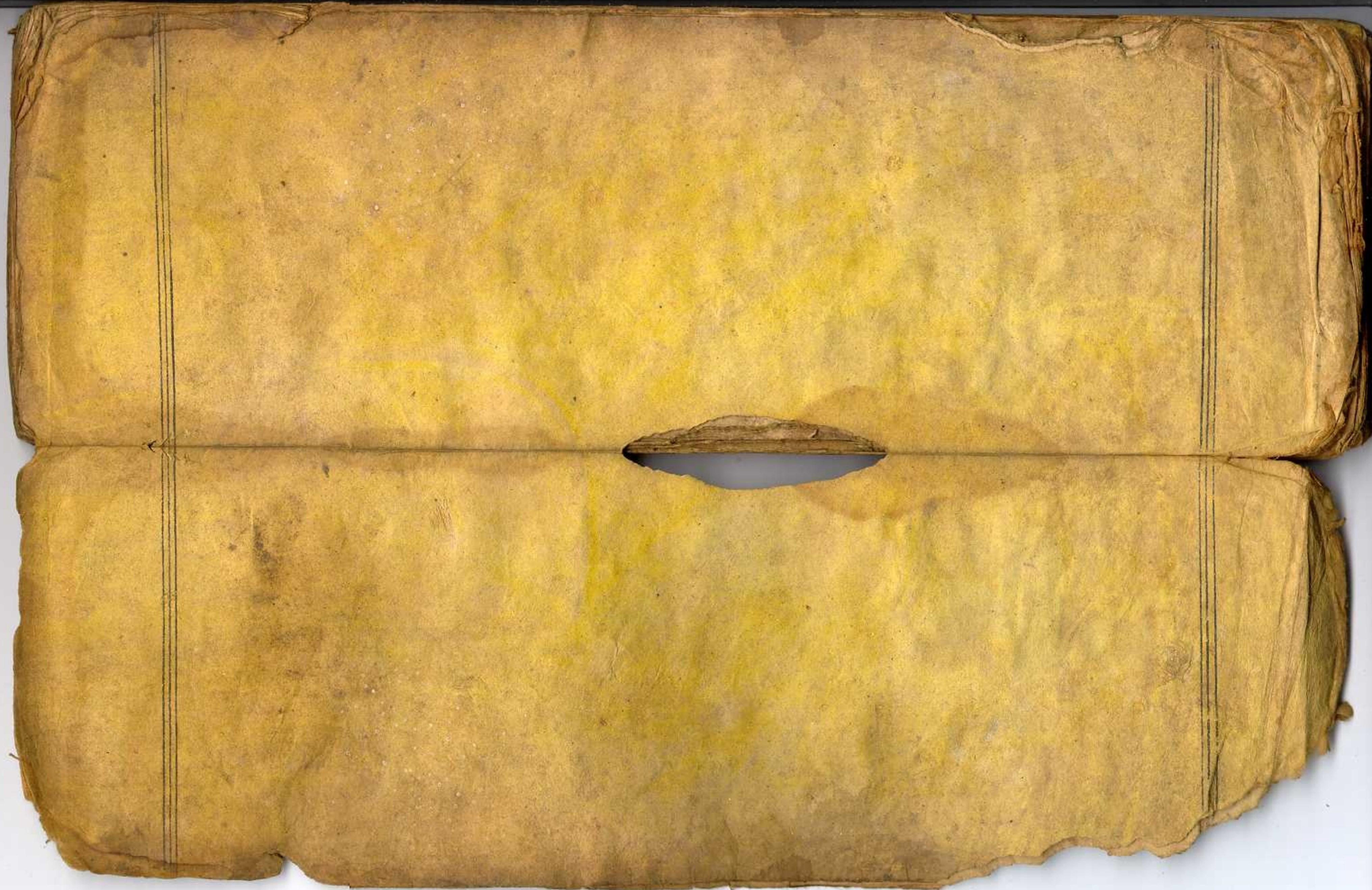














卷之

四